Set-1

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ

प्रथम पूर्व-परिषदीय परीक्षा **(2024-2025)**

विषय **–** हिन्दी'अ' **(002)**

कक्षा **– 10**

समय **– 3** घंटे**.** पूर्णांक **– 80**

उत्तरमाला और अंकयोजना

खंड- क (अपठित बोध)

प्रश्न **1**

{(1x3=3) + (2x2=4)=7}

i. (क) पाखंड और सिद्धांत
1 अंक

ii. (क) केवल 1 सही है
1 अंक

iii (क) स्वावलंबी व्यक्ति के लिए
1 अंक

iv. दूसरों का सहारा छोड़कर केवल अपने सहारे पर जीवन बिताना स्वावलंबन कहलाता है। 2 अंक

v. क्योंकि मानव में विद्या, बुद्धि, प्रेम , चिंतन आदि श्रेष्ठ गुण विद्यमान होते हैं। 2 अंक

प्रश्न **2**

{(1x3=3) + (2x2=4)=7}

i. (ख) अपनी बिटिया के रूप में
1 अंक

ii. (ख) उसका अंग-अंग पुलकित हो रहा था और उसकी भोली आँखों से उत्सुकता छलक रही थी 1 अंक

iii (क) माँ ने पूछा 'यह क्या लाई हो' और बेटी बोल उठी 'माँ! काओ।'
1 अंक

iv. कवयित्री वर्षों से अपने बचपन को खोज रहीं थीं।
2 अंक

v. कवयित्री की बेटी के चेहरे पर माँ को मिट्टी खिलाने लाने के कारण विजय-गर्व झलक रहा था। 2 अंक

खंड ख **(**व्यावहारिक व्याकरण**)**

प्रश्न **3** **(** इनमे से कोई **4)** **1x4 =4** अंक

i. पेड़ के पास खड़ा हुआ लड़का मेरा मित्र है।
1 अंक

ii. मैं आयोजन में इसलिए नहीं जा सकता क्योंकि मैं बीमार हूँ।
1 अंक

iii राम ने खाना खाया और बाहर चला गया।
1 अंक

iv. संज्ञा आश्रित उपवाक्य
1 अंक

v. विशेषण आश्रित उपवाक्य
1 अंक

प्रश्न **4** **(** इनमे से कोई **4)** **1x4 =4** अंक

i कर्म वाच्य
i कर्तृवाच्य
iii भाव वाच्य
iv माली द्वारा पौधा लगाया गया।
v नौकर घर की सफाई करता है।

प्रश्न **5** **(** इनमे से कोई **4)** **1x4 =4** अंक

i भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक
ii . .पूर्वकालिक क्रिया, रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया 'गा रहा है'
iii निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक, 'किया' क्रिया का कर्ता
iv सकर्मक, क्रिया ,पुल्लिंग एकवाचन ,वर्तमान ,काल ,कर्तृवाच्य
v व्यक्तिवाचक संज्ञा,स्त्रीलिंग ,एकवचन, कर्म कारक पड़ रहा है क्रिया का कर्म।

प्रश्न **6** **(** इनमे से कोई **4)** **1x4 =4** अंक

i मानवीकरण
1 अंक

ii उत्प्रेक्षा 1 अंक

iii उत्प्रेक्षा
1 अंक

iv रूपक
1 अंक

v उपमा
1 अंक

प्रश्न **7**
1x5=5 अंक

i घ. ख और ग दोनों
1 अंक
ii क. सतृष्ण आँखों से
1 अंक
iii ख. लेखक उन्हें खाने को लालायित हो रहे थे
1 अंक
iv क. आत्म सम्मान में
1 अंक
v घ. 3 और 4 सही हैं
1 अंक
प्रश्न **8**
1x5=5 अंक
i क . पानी में मिलने वाले जीवनदायी अमृत तत्व
1 अंक
ii क. किसानों के शारीरिक परिश्रम द्वारा फसल निर्माण से
1 अंक
iii क. सामूहिकता के भाव को प्रकट करने के लिए
1 अंक
iv ग.उपरोक्त i एवं ii दोनों
1 अंक
v नदियों के पानी द्वारा
1 अंक

प्रश्न **9** **(** इनमे से कोई **3)** **2x3=6** अंक
अपेक्षित उत्तर
i.इस पंक्ति द्वारा लेखक ने मानव की स्वार्थी प्रवृत्ति की मानसिकता पर व्यंग्य किया है। लेखक के अनुसार आजकल के समय में हर व्यक्ति अपने स्वार्थ में ही लिप्त है और उसे दूसरों के दुख दर्द जानने की फुर्सत नहीं। बालगोबिन भगत का बेटा बीमार था, लेकिन लोगों को बालगोबिन भगत की मानसिक पीड़ा को जानने की कोई सुध नहीं थी। **2** अंक

ii. चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा परन्तु चश्मेवाला एक देशभक्त नागरिक था। उसके हृदय में देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान था। वह अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था उसकी इसी भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहते थे। **2** अंक

iii . लेखिका के जीवन पर दो लोगों का विशेष प्रभाव पड़ा:

पिता का प्रभाव – लेखिका के जीवन पर पिताजी का ऐसा प्रभाव पड़ा कि वे हीन भावना से ग्रसित हो गई। इसी के परिमाण स्वरुप उनमें आत्मविश्वास की भी कमी हो गई थी।पिता के द्वारा ही उनमें देश प्रेम की भावना का भी निर्माण हुआ था।
शिक्षिका शीला अग्रवाल का प्रभाव- शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने एक ओर लेखिका के खोए आत्मविश्वास को पुन: लौटाया तो दूसरी ओर देशप्रेम की अंकुरित भावना को उचित माहौल प्रदान किया। जिसके फलस्वरूप लेखिका खुलकर स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने लगी। **2** अंक

iv. (1) ईश्वर के प्रति उनके मन में अगाध भक्ति थी।
(2) मुस्लिम होने के बाद भी उन्होंने हिंदु धर्म का सम्मान किया तथा हिंदु-मुस्लिम एकता को कायम रखा।
(3) भारत रत्न की उपाधि मिलने के बाद भी उनमें घमंड कभी नहीं आया।
(4) वे एक सीधे-सादे तथा सच्चे इंसान थे।
(5) उनमें संगीत के प्रति सच्ची लगन तथा सच्चा प्रेम था।
(6) वे अपनी मातृभूमि से सच्चा प्रेम करते थे।
2 अंक

प्रश्न **10 (** इनमे से कोई **3)**
2x3=6 अंक
अपेक्षित उत्तर

i . राम स्वभाव से कोमल और विनयी हैं। परशुराम जी क्रोधी स्वभाव के थे। परशुराम के क्रोध करने पर श्री राम ने धीरज से काम लिया। उन्होंने स्वयं को उनका दास कहकर परशुराम के क्रोध को शांत करने का प्रयास किया एवं उनसे अपने लिए आज्ञा करने का निवेदन किया। इस प्रकार राम विनम्र, मृदुभाषी,धैर्यवान, व बुद्धिमान व्यक्ति हैं । 2 अंक

ii.कविता में बादल ललित कल्पना और क्रांति चेतना की ओर संकेत करता है। यह एक तरफ पीड़ित-प्यासे लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है तो दूसरी तरफ वह नई कल्पना और नए अंकुर के लिए विध्वंस, विप्लव और क्रांति चेतना की ओर संकेत करता है।
2 अंक

iii. पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हर कार्य क्षेत्र में ऐसे सहायक मौजूद रहते हैं, जो कार्य की पूर्णता पर ही खुशी पाते हैं। वे अपने सहयोगी की सफलता में अपनी सफलता मानते हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के कार्य करते हैं। इस पाठ से यह स्पष्ट होता है कि सहायक व्यक्ति कार्य की पूर्णता पर ही खुशी पाता है।
2 अंक

iv . अनेक नदियों का जल, अनेक प्रकार की मिट्टियों, करोड़ों किसानों का श्रम और सूरज की किरणें तथा हवा का योगदान फसलें उगाता है। इसलिए फसलों पर सभी का प्राकृतिक अधिकार है। इस कविता में कवि यह रेखांकित करना चाहता है कि प्रकृति

और मनुष्य के सहयोग से ही सृजन संभव है।
2 अंक

प्रश्न **11.** **(इनमे से कोई 2)**
4x2=8 अंक

अपेक्षित उत्तर

i . भोलानाथ व उसके साथी खेल के लिए आँगन व खेतों पर पड़ी चीजों को ही अपने खेल का आधार बनाते हैं । उनके लिए मिट्टी के बर्तन, पत्थर, पेड़ों के पत्ते, गीली मिट्टी, घर के समान आदि वस्तुएँ होती थी जिनसे वह खेलते व खुश होते । आज जमाना बदल चुका है । आज माता-पिता अपने बच्चों का बहुत ध्यान रखते हैं । वे बच्चों को बेफिक्र खेलने-घूमने की अनुमति नहीं देते । हमारे खेलने के लिए आज क्रिकेट का सामान, भिन्न-भिन्न तरह के वीडियो गेम व कम्प्यूटर गेम आदि बहुत सी चीज़ें हैं जो इनकी तुलना में बहुत अलग हैं । भोलानाथ जैसे बच्चों की वस्तुएँ सुलभता से व बिना मूल्य खर्च किए ही प्राप्त हो जाती हैं परन्तु आज खेल सामग्री स्वनिर्मित न होकर बाज़ार से खरीदनी पड़ती है । आज के युग में खेलने की समय-सीमा भी तय कर ली जाती है । अतः आज खेल में स्वच्छंदता नहीं होती है ।
4 अंक

ii . नार्गे एक कुशल गाइड था। वह अपने पेशे के प्रति पूरा समर्पित था। उसे सिक्किम के हर कोने के विषय में भरपूर जानकारी प्राप्त थी इसलिए वह एक अच्छा गाइड था। एक कुशल गाइड में निम्नलिखित गुणों का होना आवश्यक है –
* एक गाइड अपने देश व इलाके के कोने-कोने से भली भाँति परिचित होता है, अर्थात् उसे सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।
* उसे वहाँ की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व इतिहास की सम्पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।
* एक कुशल गाइड को चाहिए कि वो अपने भ्रमणकर्ता के हर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम हो।
* एक कुशल गाइड को अपनी विश्वसनीयता का विश्वास अपने भ्रमणकर्ता को दिलाना आवश्यक है। तभी वह एक आत्मीय रिश्ता कायम कर अपने कार्य को कर सकता है।
* गाइड को कुशल व बुद्धिमान व्यक्ति होना आवश्यक है। ताकि समय पड़ने पर वह विषम परिस्थितियों का सामना अपनी कुशलता व बुद्धिमानी से कर सके व अपने भ्रमणकर्ता की सुरक्षा कर सके।
* एक कुशल गाइड की वाणी को प्रभावशाली होना आवश्यक है इससे पूरी यात्रा प्रभावशाली बनती है और भ्रमणकर्ता की यात्रा में रूचि भी बनी रहती है।
* वह यात्रियों को रास्तें में आने वाले दर्शनीय स्थलों की जानकारी देता रहे।
* वहाँ के जन-जीवन की दिनचर्या से अवगत कराए।
* रास्ते में आए प्रत्येक दृश्य से पर्यटकों को अवगत कराए।
4 अंक

iii . हिरोशिमा तो विज्ञान के दुरुपयोग का ज्वलंत उदाहरण है ही पर हम मनुष्यों द्वारा विज्ञान का और भी दुरुपयोग किया जा रहा है। आज हर देश परमाणु अस्त्रों को बनाने में लगा हुआ है जो आने वाले भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस विज्ञान की देन के द्वारा आज हम अंगप्रत्यारोपण कर सकते हैं। एक व्यक्ति के खराब अंग के स्थान पर दूसरे व्यक्ति के द्वारा दान में दिए गए अंगों का प्रत्यारोपण किया जाता है। परन्तु आज इस देन का दुरुपयोग कर हम मानव अंगो का व्यापार करने लगे हैं। विज्ञान ने कंप्यूटर का आविष्कार किया उसके पश्चात् उसने इंटरनेट का आविष्कार किया ये उसने मानव के कार्यों के बोझ को कम करने के लिए किया। हम मनुष्यों ने इन दोनों का दुरुपयोग कर वायरस व साइबर क्राइम को जन्म दिया है। विज्ञान ने यात्रा को सुगम बनाने के लिए हवाई जहाज़, गाड़ियों आदि का निर्माण किया परन्तु हमने इनसे अपने ही वातावरण को प्रदूषित कर दिया है। ऐसे कितने ही अनगिनत उदाहरण हैं जिससे हम विज्ञान का दुरुपयोग कर महाविनाश की ओर बढ़ रहे हैं ।

4 अंक

प्रश्न **12-** तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए**-** **6** अंक

विषय वस्तु - 3 अंक
भाषा - 1 अंक
प्रस्तुति - 2 अंक

प्रश्न **13** किसी एक विषय पर लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए।

5 अंक

उत्तर- आरंभ और अंत की औपचारिकताएं -1 अंक
विषयवस्तु -2 अंक
भाषा- 1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न **14** किसी एक विषय पर लगभग **80** शब्दों में स्व वृत/ईमेल लेखन **5** अंक

उत्तर- विषयवस्तु - 3 अंक
भाषा-1 अंक
प्रस्तुति - 1 अंक

प्रश्न **15** किसी एक विषय पर लगभग **40** शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन **4**अंक

विषयवस्तु - 2 अंक
भाषा -1 अंक
प्रस्तुति- 1 अंक